तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय

मुरादाबाद (उत्तरप्रदेश)

दूरस्थ शिक्षा

एम.ए. (उत्तरार्ध) जैनोलॉजी

(प्रथम पत्र)

-विषय-

तीर्थंकर महावीर दिव्यध्वनि सार

(चार अनुयोगों में निबद्ध जिनागम)

इकाई 1—दिव्यध्वनि के प्रमुख संवाहक गौतम गणधर स्वामी

पाठ-1 दिव्यध्वनि की दिव्यता

पाठ-2 तीर्थंकर महावीर की दिव्यध्वनि के प्रसार में गौतम गणधर स्वामी का योगदान

पाठ-3 गौतम गणधर वाणी में श्रावक धर्म एवं मुनिधर्म

पाठ-4 जिनवाणी का उद्‌गम और विकास

इकाई 2—जिनागम का एक अंश-प्रथमानुयोग

पाठ-1 प्रथमानुयोग का साहित्य और उसकी उपादेयता

पाठ-2 सृष्टि का क्रम एवं षट्‌काल परिवर्तन

पाठ-3 जैनधर्म की तीर्थंकर परम्परा

पाठ-4 जीवनदान : एक सत्य कथानक

पाठ-5 ब्रह्मचर्य की महिमा

इकाई 3—पंचपरिवर्तन का प्रतिपादक-करणानुयोग

पाठ-1 करणानुयोग की उपयोगिता एवं जीव के पंच परिवर्तन

पाठ-2 त्रिलोक परिचय एवं कालचक्र

पाठ-3 कर्म एवं कर्मों की विविध अवस्थाएँ

पाठ-4 जैनाचार्यों द्वारा कर्म सिद्धान्त के गणित का विकास

इकाई 4—चरित्र निर्माण का पथ प्रदर्शक-चरणानुयोग

पाठ-1 चरणानुयोग का साहित्य और उसकी उपादेयता

पाठ-2 संस्कार, सादगी और संयमाचरण

पाठ-3 आचार्य श्री कुन्दकुन्द स्वामी द्वारा वर्णित ग्यारह महत्वपूर्ण स्थान

पाठ-4 सम्यक्त्वचरण एवं संयमचरण चारित्र

इकाई 5—शुद्धात्म पथ प्रदर्शक-द्रव्यानुयोग

पाठ-1 पंचास्तिकाय सार

पाठ-2 शुद्धात्मतत्त्व विवेचन

पाठ-3 मोक्ष प्राप्ति में व्यवहारनय भी उपादेय है

पाठ-4 परमात्म प्रकाश-एक अध्ययन

तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय

मुरादाबाद (उत्तरप्रदेश)

दूरस्थ शिक्षा

एम.ए. (उत्तरार्ध) जैनोलॉजी

(द्वितीय पत्र)

-विषय-

जिनागम दर्पण

इकाई 1—जैन रामायण का सार

पाठ-1 सीता स्वयंवर एवं राम वनवास

पाठ-2 सीताहरण एवं राम-रावण युद्ध

पाठ-3 राम-सीता एवं स्वजन मिलन

पाठ-4 सीता की अग्नि परीक्षा एवं दीक्षा

इकाई 2—जिनदर्शन प्रतिज्ञा का चमत्कार

पाठ-1 कैसे किया प्रतिज्ञा पालन सती मनोवती ने

पाठ-2 नियम के निंदक बने भिखारी

पाठ-3 मनोवती एवं बुद्धसेन का परिवार के साथ मिलन

इकाई 3—तीर्थंकर की धर्मसभा-समवसरण

पाठ-1 समवसरण रचना का प्रारंभिक स्वरूप

पाठ-2 समवसरण की आठ भूमियाँ

पाठ-3 समवसरण की अन्य विशेषताएँ

इकाई 4—आद्य सिद्धान्त ग्रंथ-सामान्य परिचय

पाठ-1 कषायप्राभृत-युग की प्रथम कृति

पाठ-2 षट्खण्डागम-जैनागम का प्राण

पाठ-3 महाबन्ध-षट्खण्डागम का छठा खण्ड

पाठ-4 द्वादशांग श्रुत की रचना गणधर ही कर सकते हैं

तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय

मुरादाबाद (उत्तरप्रदेश)

दूरस्थ शिक्षा

एम.ए. (उत्तरार्ध) जैनोलॉजी

(तृतीय पत्र)

-विषय-

अहिंसा, अनेकांत एवं जैनदर्शन के कतिपय प्रमुख विषय

इकाई 1—अहिंसा : विश्वशांति का अमोघ उपाय

पाठ-1 जैनधर्म में वर्णित अहिंसा की सूक्ष्म विवेचना
पाठ-2 अहिंसा के संबंध में प्रमुख भारतीय चिन्तकों के विचार
पाठ-3 अहिंसा परमो धर्म

इकाई 2—अनेकांत एवं स्याद्वाद : जैनदर्शन की अद्वितीय देन

पाठ-1 अनेकांत और स्याद्वाद जैनधर्म के मूल आधार हैं
पाठ-2 अनेकांतवाद एवं आधुनिक भौतिक विज्ञान
पाठ-3 स्याद्वाद संशयवाद अथवा छल नहीं है
पाठ-4 अनेकांत-स्याद्वाद और सप्तभंगी का पारस्परिक संबंध

इकाई 3—जैनदर्शन में ज्योतिष विद्या

पाठ-1 जैनागम में ज्योतिष
पाठ-2 भारतीय ज्योतिष के सिद्धान्त
पाठ-3 नक्षत्रों के कार्य एवं नामाक्षर में छिपा रहस्य
पाठ-4 मुहूर्त विचार

इकाई 4—जैन वास्तु विद्या

पाठ-1 वास्तु शिल्प
पाठ-2 वास्तु नियमानुसार भवन निर्माण की रूपरेखा
पाठ-3 जिनमंदिर निर्माण हेतु वास्तु नियम
पाठ-4 वास्तु से संबधित कतिपय प्रमुख ज्ञातव्य विषय
पाठ-5 जिन प्रतिमा और पंचकल्याणक प्रतिष्ठा

इकाई 5—जैन आगम में वर्णित आयुर्वेद एवं यंत्र मंत्र आदि

पाठ-1 ज्योतिष मंत्र-यंत्र आदि का संक्षिप्त इतिहास
पाठ-2 जैन शासन में यंत्र विद्या
पाठ-3 स्वप्न विज्ञान : स्वप्न दर्शन का शुभाशुभ फल
पाठ-4 जैनाचार ही आयुर्वेद है
पाठ-5 कल्याणकारक ग्रंथ में वर्णित प्रासुक चिकित्सा विधि

तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय

मुरादाबाद (उत्तरप्रदेश)

दूरस्थ शिक्षा

एम.ए. (उत्तरार्ध) जैनोलॉजी

(चतुर्थ पत्र)

-विषय-

जैन दर्शन के संदर्भ में विभिन्न दृष्टिकोण

इकाई 1—विभिन्न धर्म-दर्शन में आत्मा का स्वरूप

पाठ-1 जैनदर्शन में आत्मा का स्वरूप

पाठ-2 भारतीय दर्शनों में आत्मा का स्वरूप : एक तुलनात्मक अध्ययन

पाठ-3 आधुनिक विज्ञान की दृष्टि में आत्मा और परमात्मा

इकाई 2—प्रमाण-नय मीमांसा

पाठ-1 प्रमाण का लक्षण एवं परोक्ष प्रमाण के भेद : विभिन्न दर्शनों के परिप्रेक्ष्य में

पाठ-2 प्रत्यक्ष प्रमाण का विवेचन

पाठ-3 नय व्यवस्था

पाठ-4 नयों का समन्वयवादी दृष्टिकोण

इकाई 3—अहिंसा, अपरिग्रह एवं अनेकांत : विभिन्न दृष्टिकोण

पाठ-1 विभिन्न धर्म–दर्शन में अहिंसा का स्वरूप

पाठ-2 जैनधर्म में अहिंसा का विवेचन

पाठ-3 अपरिग्रह

पाठ-4 अनेकांतवाद : एक दार्शनिक विश्लेषण

इकाई 4—धर्म एवं विज्ञान से संबंधित महत्त्वपूर्ण विषय

पाठ-1 मानव जीवन को संस्कारित करने के षोडश सोपान

पाठ-2 बहत्तर कलाएँ एवं चौंसठ लिपियाँ

पाठ-3 छन्द विज्ञान एवं कतिपय छन्दों के प्रयोग

पाठ-4 मानव क्लोनिंग

पाठ-5 दिगम्बर–श्वेताम्बर परम्परा में भगवान महावीर